

 सत्यमेव जयते	<b>राजस्थान राजपत्र</b> <b>विशेषांक</b>	<b>RAJASTHAN GAZETTE</b> <b>Extraordinary</b>
	<b>साधिकार प्रकाशित</b>	<b>Published by Authority</b>
	आश्विन 29, शुक्रवार, १९४४-अक्टूबर 21, 2022 <i>Asvina 29, Friday, Saka 1944- October 21, 2022</i>	

**भाग 6 (ख)**

**जिला बोर्डों, परिषदों एवं नगर आयोजना संबंधी, विज्ञप्तियां आदि।**

**नगर निगम ग्रेटर, जयपुर**

**(आयोजना प्रकोष्ठ)**

**अधिसूचना**

**जयपुर, जुलाई 15, 2022**

**संख्या एफ 13() उपा. आयो. /जननिग्रे. / 2022 /157** :-राज्य सरकार द्वारा भू-उपयोग परिवर्तन बाबत जारी अधिसूचना संख्या प.-8 (ग) () नियम / एस. एस. जी. /99/2499 दिनांक 31.03.2000 प्रकाशित 04 अप्रैल 2000 एवं जयपुर विकास प्राधिकरण अधिनियम 1982 की धारा 25 (3) के अन्तर्गत मास्टर विकास योजना, 2011 जयपुर क्षेत्र में भू-उपयोग उपान्तरण हेतु जनसाधारण से भू.सं. 103 /70 मानसरोवर जयपुर आपत्ति / सुझाव आमंत्रित करने हेतु सार्वजनिक विज्ञप्ति दिनांक 20.04.2008 को समाचार पत्र राजस्थान पत्रिका एवं दैनिक भास्कर में प्रकाशित की गई थी। जिसमें 15 दिन की निर्धारित अवधि में कोई आपत्ति / सुझाव प्राप्त नहीं हुए थे।

प्रकरण में राज्य सरकार द्वारा गठित स्थानीय स्तरीय भू-उपयोग परिवर्तन समिति की बैठक दिनांक 08.09.2008 द्वारा भू. सं. 103 /70, मध्यम मार्ग, मानसरोवर, जयपुर का भू-उपयोग परिवर्तन आवासीय से व्यावसायिक (रिटेल कॉमर्शियल एण्ड जनरल बिजनेस) प्रयोजनार्थ किये जाने का निर्णय लिया गया है।

प्रकरण में भू-उपयोग उपांतरण आदेश क्रमांक- 502 दिनांक 11.11.2019 द्वारा भू. सं. 103 / 70 मानसरोवर जयपुर का भू-उपयोग आवासीय से व्यावसायिक (रिटेल कॉमर्शियल एण्ड जनरल बिजनेस) प्रयोजनार्थ का जारी है।

**“उपान्तरण”**

जयपुर नगर निगम क्षेत्र में स्थित भू. सं. 103 / 70 मानसरोवर जयपुर क्षेत्रफल 203.00 वर्गमीटर जो श्री खेम चन्द शर्मा के स्वामित्व है का भू-उपयोग मास्टर विकास योजना 2011(जयपुर रीजन) से दर्शित आवासीय से व्यवसायिक (रिटेल कॉमर्शियल एण्ड जनरल बिजनेस) में पूर्व प्रभावी भू उपयोग परिवर्तन समिति के निर्णय की पालना (पूर्व प्रभाव से) निम्न शर्तों के साथ किया जाता है-

1. प्रचलित भवन विनियम के मानदण्डों के अनुसार व्यावसायिक प्रयोजनार्थ भवन मानचित्र अनुमोदित करवाने होंगे।
2. बिन्दु सं. -1 की पालना नहीं किये जाने की स्थिति में आवेदित भूमि पर स्थित निर्माण कार्य को अवैध माना जायेगा नगर निगम उसे हटाने के लिए नियमानुसार कार्यवाही कर सकेगा।
3. आवेदक भू-उपयोग परिवर्तन के पश्चात् प्रश्नगत भूखण्ड पर ऐसी कोई गतिविधि नहीं करेगा जो आस-पास के निवासकर्ताओं के लिए हानिकारक एवं संकटमय हो।

4. आवेदक को भू-उपयोग परिवर्तन आदेश जारी होने के पश्चात नियमानुसार वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ भवन मानचित्र अनुमोदित करवाने होंगे।
5. यह केवल आवेदित भूमि के भू-उपयोग परिवर्तन की स्वीकृति है। इस स्वीकृति को आवेदित भूमि के स्वामित्व के संबंध में प्रमाण के रूप में नहीं माना जायेगा।
- जयपुर विकास प्राधिकरण अधिनियम की धारा 25 (1) के तहत उक्त शर्तों के साथ भू उपयोग उपान्तरण किया जाता है। यह विज्ञप्ति आज दिनांक ..... को जारी की गई है। उक्त अधिसूचना राजस्थान राज-पत्र के असाधारण अंक एवं राज्य के दो प्रमुख समाचार पत्रों (सभी संस्करण राज्य) में प्रकाशित होने के पश्चात् मान्य होगी।

महेन्द्र सोनी,  
आयुक्त,  
नगर निगम ग्रेटर, जयपुर।

---

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।